11.	Maharashtra incl, Goa State	272800	362980
12.	North East (Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya	25480	19920
	Mizoram, Nagaland Tripura States)	&	
13.	Orissa	20000	59930
14.	Punjab incl. UT of Chandigarh	67700	154440
15.	Rajasthan	66620	145800
16.	Tamil Nadu incl. UT of Pondicherry	157380	211470
17.	Uttar Pradesh	121236	204920
18.	West Bengal incl. Sikkim State	37260	100600
19.	Andaman & Nicobar UT (Circle created in 1994-95)		
20.	Delhi	138000	146000
		1677056	2339096

Sedimentation-rate of reservoir Catchments in variousDAMs

3099. SHRI SANATAN BISI: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state the details of the steps being taken to reduce the sedimentation-rate of reservoir catchments in the various dams in Orissa, particularly Hirakund Dam?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI JANESHWAR MISHRA): Sedimentation of reservoirs is a natural phenomenon and provisions are made in the capacity of all reservoirs including Hirakud for accommodating the sediment. Soil conservation measures, afforestation, and water management practices in the catchment of River Valley Projects adopted by the State Government are expected to reduce the rate of sedimentation in the reservoirs to some extent.

केन्द्रीय बाढ़ जोन में बिहार को शामिल करना

3100. श्री रामदेव भंडारी: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के केन्द्रीय बाढ़ जोन में आने वाले राज्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन राज्यों का केन्द्रीय बाढ़ जोन में शामिल करने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार बिहार को बाढ़ जोन में शामिल करने का विचार रखती है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) से (ग) देश का केन्द्रीय बाढ़ क्षेत्रों में श्रेणीकरण नहीं है। तथापि, सरकार ने बिहार सहित देश के विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में बाढ़ प्रवण क्षेत्रों का पता लगाया है। देश का अधिकांश बाढ़ प्रवण क्षेत्र गंगा वेसिन राज्यों द्वारा बनता है जोकि देश के कुल बाढ़ प्रवण क्षेत्र का लगभग 51% है। बाढ़ प्रवण क्षेत्र का 11% क्षेत्र बिहार में पड़ता है।

गुजरात में निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रहीं राष्ट्रीय राजमार्ग संबंधी परियोजनाएं

3101. श्री गोपाल सिंह जी॰ सोलंकी: क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात में कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चालू की गई थीं;

(ख) क्या यह सच है कि गुजरात में ज्यादातर परियोजनाएं अपनी निर्धारित समय सीमा से पीछे चल रही हैं और इन परियोजनाओं की लागत काफी बढ़ गई है;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस वर्ष राज्य में कितनी और कौन-कौन सी परियोजनाएं शुरू किए जाने का विचार है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी॰ जी॰ वेंकटरामन) (क) जी हां।

(ख) और (ग) भूमि अधिग्रहण में विलम्ब, ठेका संबंधी समस्याओं, रेल द्वारा आरओबी के कार्यान्वयन में विलम्ब और निधियों के अभाव जैसे विभिन्न कारणों की वजह से गुजरात राज्य में उन्नीस सड़क/पुल परियोजनाओं पर कार्य की प्रगति धीमी है।

(घ) लगभग 28.6 करोड़ रु॰ की अनुमानित लागत की दो सड़कें और दो पुल कार्यों को, जिसमें कुछ छोटे-मोटे कार्य भी शामिल हैं, संस्वीकृति हेतु प्रस्ताव किया गया है, बशर्ते निधियां उपलब्ध हों।